Nath Ke Dwar Ke Bhikhari | By Bithi Mukherjee

जैसा चाहो मुझको समझना
पर तुमसे है इतना कहना
मांगने की आदत जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

राजा योगी संत सभी तेरे दर पे आते हैं
मुझको ये मालूम है वो भी तुझसे मांग के जाते हैं
देने में तुम हिचकते नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
नाथ जी तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

तुमसे बाबा मांग ना लूँ तो किसका मैं दर जाउंगी
अपने इस जीवन की नैया बोल कहाँ से लाऊंगी
दुनिया तो राह दिखाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
नाथ जी तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

गुरु तेरी कृपा से सबका बेडा पार है
तेरा नाम है सबसे ऊँचा कोई नहीं तेरे जैसा
झोली हर कहीं से लाइ जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
नाथ जी तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

https://bhaktivandana.com/lyrics/nath-ke-dwar-ke-bhikhari-by-bithi-mukherjee/